४०२/२२५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - ७ जून, २००९)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५)

सत्संग प्रवेश - २

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवेश - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''मालिक ! आपकी गोद में - आपके चरणों में इस तरह मुझे बैठने का जो अवसर मिला, यही मेरे लिए बड़ा भारी परचा है ।'' (१५)

२. ''महाराज आपको अपने धाम में क्यों नहीं ले जाते ?'' (३१)

३. ''क्यों ? पटेल मजे में हैं न !'' (२६)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. श्रीकृष्ण ने गोवर्धन की पूजा शुरु करवाई । (४३)

२. महाराज ने काशीदास को वचन दिया । (३५)

३. गोलिडा गाँव के सिवान में यमदूतों की टोली जलने लगी । (५८)

प्र.३ ''सच्चिदानन्द स्वामी ।'' (६२) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. प्रभाशंकर ने श्रीजीमहाराज की चिट्ठी पढ़कर आत्मीयजनों से क्या कहा ? (६१)

२. श्रीजीमहाराज ने 'मान' की मूर्ति किसको कहा ? (६८)

३. सभी शास्त्रों ने अहिंसा के लिए क्या कहा है ? (६)

४. आत्मानन्द स्वामी को सम्प्रदाय में किन दो नाम से पुकारा जाता था ? (२९)

५. लाधीबाई को किसकी मूर्ति में श्रीजीमहाराज के दर्शन हुए ? (३६)

प्र.५ सूचना अनुसार उत्तर दीजिए । [५]

वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - ६ (६०) **का विवरण लिखिए ।**

प्र.६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [८]

१. ''निर्विकल्प उत्तम ..... धर्मकुमार ।'' (२२)

२. ''बालचरित्रों करी ..... स्वरूप समजावता ।'' (७७)

३. ''श्रद्धावान् लभते ..... गच्छति ।'' (६६)

४. ''विनाशकं ..... नमामि ।'' (२१) - **श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।**

विभाग-२ : शास्त्रीजी महाराज - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''हमारे द्वारा श्रीजीमहाराज को विशेष काम करवाना होगा, निष्ठा का प्रचार करवाना होगा ।'' (७८)

२. ''तुम उसको आशीर्वाद दो कि उसमें तुम्हारें जैसे गुण आवें ।'' (९७)

३. ''ये मेघपति इन्द्र स्वयं पधारे हैं ।'' (८७)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. कोठारी गोरधनभाई ने स्वामीश्री को प्रवृत्ति कम करने के लिए कहा । (४६)

२. भगतजी प्रसन्न होकर बोले : गजब कर दिया यज्ञपुरुषदास ! (२६)

३. विज्ञानानन्द स्वामी निवृत्त हो गये । (२०)

प्र.९ ''अभयदान देने की आज्ञा ।'' (३८) **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. सारंगपुर में कथा के प्रसंग पर बापुभा ने स्वामीश्री को क्या पूछा ? (८१)

२. गोंडल जाते समय योगी स्वामी को स्वामीश्री ने क्या कहा ? (९९)

३. कातिल विष का असर कम करने के लिए हरिभक्तों ने क्या किया ? (५२)

४. भाईलालभाई पटेल ने क्या योजना बनाई थी ? (९१)

५. दोलतरामभाई के हृदय में कौन सी बात बैठ गई ? (७१)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है।
निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहीं होंगी ।)

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. गोंडल मन्दिर के निर्माण के लिए महाराजा ने रखी हुई शर्तें । (८३)

(१) ☐ उस स्थान पर स्थायी रुप से अक्षरदेरी ही चाहिए ।

(२) ☐ तीन वर्ष में वह काम पूरा होना चाहिए ।

(३) ☐ मन्दिर के सामने बड़ा दरवाजा करना ।

(४) ☐ बीस लाख रूपये खर्च किए जाने चाहिए ।

२. शास्त्रीजी महाराज के हरिभक्त (६३, ८८, ८९)

(१) ☐ हीरामुखी (२) ☐ अटलादरा के मथुरभाई

(३) ☐ चम्पकभाई बेंकर (४) ☐ कुबेरभाई

३. अक्षरपुरुषोत्तम उपासना के प्रर्वतन के लिए किन किन सन्तों ने स्वामीश्री को प्रेरणा दी ? (४१)

(१) ☐ केशवजीवनदासजी (२) ☐ भक्तिजीवनदासजी (३) ☐ बालमुकुंददासजी (४) ☐ जागा भक्त

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **सद्‌गुरु की खोज में :-** वडताल में पार्षदों से परिचय करते करते मोरलीधरदास पुराणी के आसन पर झीणाभाई को पुराणी के दर्शन करने के बाद वचनामृत सुनकर मन में शान्ति हुई । (१२)

२. **सारंगपुर की शोभा :** 'श्री बोचासण की शोभा बनी अति प्यारी.....' भजन (पंक्ति) आशाभाई ने बनाया । (६७)

३. **अभयदान देने की आज्ञा :** गोरधनभाई कोठारी ने स्वामीश्री को वरताल मन्दिर की व्यवस्था का उत्तरदायित्व सौंपा, उनके सहायक के रुप में भीमजी कोठारी को रखा । (३८)

४. **जागा भक्त के आशीर्वाद :** स्वामीश्री ने अटलादरा में जेठाभाई कोठारी को एकान्त में बैठाकर जागा भक्त की महिमा सुनाई । (३४)

५. **दिव्य समाधि :** सर्व प्रथम आचार्य भगवत्‌प्रसाद को श्रीपुर के मन्दिर में घनश्याम महाराज की मूर्ति का दर्शन करते करते समाधि लग गई । (८२)

६. **सुवर्ण जयन्ती :** स्वामीश्री की ८० वीं जन्म जयन्ती अटलादरा में मनायी गई उसमें उनकी सुवर्णतुला की गई । (९२)

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ५ जुलाई, २००९ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें ।

❊ ❊ ❊